SJU Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शुक्रवार 09 अगस्त 2019 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-01, अंक- 308

भारत के लिए बंद किए तीन हवाई मार्ग

» कश्मीर पर बौखलाया पाक

इस्लामाबाद। कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के लिए अपना एयर स्पेस आंशिक रूप से बंद कर दिया है। जानकारी के मुताबिक 11 वायुमार्गों में तीन को बंद किया गया है। पाकिस्तान ने गुरुवार रात को अपने एयर इंडिया के एक अधिकारी के मुताबिक कॉरिडोर बंद होने से फ्लाइट्स का रूट बदल गया है। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, 'एक कॉरिडोर (पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में) को बंद कर दिया गया है, इससे अधिकतम 12 मिनट का बदलाव होगा। इससे हम पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।'

पाकिस्तानी एयर स्पेस से एयर इंडिया की रोजाना करीब 50 फ्लाइट्स गुजरती हैं। पाकिस्तान ने यह फैसला जम्मू-कश्मीर में भारत सरकार द्वारा आर्टिकल 370 के प्रावधानों को हटाने के विरोध में लिया है। पाकिस्तान की सिविल एविएशन अथॉरिटी द्वारा जारी नोटिस टु एयरमैन (एनओटीएएमएस) के मुताबिक, एयरस्पेस 6 अगस्त से 5 सितंबर तक के लिए बंद रहेंगे। इसके अलावा सीसीए ने पाकिस्तान की एयरलाइन्स के हवाई मार्गों में भी बदलाव किए हैं। इनमें खासतौर पर लाहौर क्षेत्र के एयरलाइन्स शामिल हैं। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, विमानों के उड़ान की न्यूनतम ऊंचाई को भी बढ़ाया गया है।

एनओटीएएम के मुताबिक, लाहौर रीजन में विदेशी विमानों को 46 हजार फीट से नीचे उड़ने की अनुमति नहीं होगी, जबकि अफगानिस्तान से उड़ान भरने वाले जहाजों को वैकल्पिक मार्गों के इस्तेमाल करने का निर्देश दिया गया है। बता दें कि पाकिस्तान ने बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भी अपने एयरस्पेस बंद किया था, जिसे 16 जुलाई को सभी विमानों के लिए खोला गया था।

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट का जल्द सुनवाई से इनकार

नईदिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त किए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है. न्यायमूर्ति एनवी रमना की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख उसे तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए किया गया है.

याचिका दायर करने वाले वकील एमएल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की थी कि उनकी याचिका को 12 या 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए. जिस पर पीठ ने शर्मा से कहा कि इस याचिका पर सुनवाई उचित समय पर होगी. फिलहाल इस मामले में सुनवाई की तारीख तय नहीं हुई है. चीफ जस्टिस रंजन गोगोई अगली तारीख तय करेंगे और बताएंगे की याचिका पर सुनवाई कब होगी.इस दौरान सर्वोच्च अदालत ने संयुक्त राष्ट्र से जुड़ा एक सवाल भी पूछा. कोर्ट ने पूछा कि क्या संयुक्त राष्ट्र (यूएन) हमारे संविधान में किए गए बदलाव पर रोक लगा सकता है. बता दें कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाया है. वहीं लद्दाख को भी अलग केंद्र शासित प्रदेश बना दिया है.

महत्वपूर्ण एवं खास

विश्व समुदाय का ध्यान खींचना चाहता है पड़ोसी देश

» पाक के पैंतरे पर भारत का जवाब

नईदिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने पाकिस्तान द्वारा द्विपक्षीय संबंधों के बारे में एकतरफा कदम उठाए जाने संबंधी रिपोर्टों पर गुरुवार को कहा कि यह खेदजनक है और पड़ोसी देश को इसपर पुनर्विचार करना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने यहां एक बयान में कहा कि ऐसी रिपोर्ट आई हैं कि पाकिस्तान ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों के बारे में कुछ एकतरफा कदम उठाने का निर्णय लिया है। इनमें राजनयिक संबंधों को घटाने की बात भी शामिल है। मंत्रालय ने कहा है, पाकिस्तान द्वारा बुधवार को घोषित कदम खेदजनक है और भारत सरकार उससे इनकी समीक्षा करने का अनुरोध करती है ताकि राजनयिक संवाद के लिए सामान्य चैनल बने रहें। बयान में कहा गया है कि जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे से संबंधित अनुच्छेद 370 के बारे में हाल में उठाया गया कदम पूरी तरह भारत का आंतरिक मामला है। सरकार ने कहा कि आर्टिकल 370 हटने से जम्मू-कश्मीर के लोगों का असंतोष दूर किया जा सकता है। पाकिस्तान इसी से घबराकर चीख-चिल्लाहट मचा रहा है क्योंकि वह कश्मीरियों की संवेदनाओं का इस्तेमाल सीमा पार से यहां फैलाए गए आतंकवाद को न्यायोचित ठहराने के लिए करता है।

पाकिस्तान ने वाघा से होते हुए अफगानिस्तान मार्ग की संभावना खारिज की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारतीय वस्तुओं को अफगानिस्तान पहुंचाने के लिए वाघा सीमा से मार्ग देने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। गुरुवार को पाकिस्तान में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने कहा कि वैसे भी ट्रांजिट व्यापार किसी भी स्थिति में त्रिकोणीय मुद्दा नहीं था। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री के वाणिज्यिक सलाहकार अब्दुल रज्जाक दाऊद ने कहा, हमने अफगानिस्तान को वाघा सीमा के माध्यम से व्यापार नहीं करने के लिए कहा है और वह इस पर सहमत है क्योंकि ट्रांजिट व्यापार द्विपक्षीय मुद्दा है ना कि त्रिपक्षीय मुद्दा, जिसमें किसी अन्य को शामिल किया जाए।

ताइवान में 5.9 तीव्रता का भूकंप

ताइपे। ताइवान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आने से यातायात और विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। हालांकि, इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। 'यूएस जियोलॉजिकल सर्वे' के अनुसार अंतरराष्ट्रीय समयानुसार बुधवार रात नौ बजकर 28 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र जमीन के नीचे 10 किलोमीटर गहराई में था। ताइवान के केंद्रीय मौसम ब्यूरो के अनुसार भूकंप की तीव्रता 6.0 थी। प्राधिकारियों ने बताया कि इस भूकंप के कारण यातायात बाधित हो गया और ताइपे में 1300 से अधिक मकानों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई।

अमेरिका ने हांगकांग जाने को लेकर अपने नागरिकों के लिए चेतावनी का स्तर बढ़ाया

हांगकांग। अमेरिकी सरकार ने हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के चलते हिंसा बढ़ने के कारण बृहस्पतिवार को अपने नागरिकों को चीन के इस शहर जाने को लेकर अपनी चेतावनी का स्तर बढ़ा दिया। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को दूसरे स्तर का यात्रा परामर्श जारी करते हुए हांगकांग में असैन्य अशांति के कारण अपने नागरिकों से ज्यादा सतर्कता बरतने का आग्रह किया। साथ ही विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों से प्रदर्शनों से बचने तथा भारी भीड़ या प्रदर्शनों वाले इलाके में अचानक पहुंचने पर सतर्कता बरतने का अनुरोध किया। हांगकांग में प्रदर्शन दो महीने पहले एक प्रस्तावित प्रत्यर्पण विधेयक को लेकर शुरू हुए। इस प्रस्ताव में संदिग्धों को चीन प्रत्यर्पित करने का प्रावधान है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि संदिग्धों को चीन प्रत्यर्पित करने पर उन्हें प्रताड़ित किए जाने और अनुचित राजनीतिक मुकदमे में फंसाने की आशंका है।

बड़े आतंकी हमले की फिराक में जैश

» खुफिया एजेंसियों ने जारी किया अलर्ट

नईदिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर पर भारत के फैसले से पाकिस्तान पूरी तरह बौखलाया गया है। उसने भारत से व्यापरिक संबंध तोड़ने और भारत के उच्चायुक्त को वापस भेजने का फैसला किया है। साथ ही पाकिस्तान ने आंशिक तौर पर भारत की सीमा से लगे अपने एयरस्पेस को भी बंद कर दिया है।

कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने से न केवल पाकिस्तान बौखलाया हुआ है, बल्कि उसके यहां मौजूद आतंकी संगठन भी भारत के लिए खिलाफ नई साजिश रच रहे हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट जारी किया है कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद भारत में आतंकी हमले का प्लान कर रहा है और वह भारतीय सेना, पुलिस के जवानों और कई अहम ठिकानों को अपना निशाना बना सकते हैं।

खुफिया एजेंसियों के इस इनपुट के बाद कई राज्यों में भी हाई अलर्ट घोषित किया गया है। दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे कई राज्यों को जैश-ए-मोहम्मद अपना निशाना बना सकता है।

लिहाजा, सभी एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा के साथ खास इंतजाम करने के निर्देश भी दिए गए हैं। 15 अगस्त को लेकर भी खास निर्देश जारी किए गए हैं।

विंग कमांडर अभिनंदन को मिल सकता है वीर चक्र

नईदिल्ली (आरएनएस)। इसी साल फरवरी में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तानी एफ-16 विमान को मार गिराने वाले विंग कमांडर अभिनंदन को सैन्य सम्मान वीर चक्र से सम्मानित किया जा सकता है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी विमान गिराने के बाद अभिनंदन को पाकिस्तान ने गिरफ्तार कर लिया था, और बाद में रिहा कर दिया था।

अभिनंदन के साथ ही पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों पर मिराज-2000 युद्धक विमानों से बमबारी करने वाले पांच पायलटों को भी वायु सेना मेडल दिया जा सकता है।

भारतीय वायु सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वीरता पुरस्कार प्रापकर्ताओं की अंतिम सूची को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से 14 अगस्त को मंजूरी दी जाएगी।

अभिनंदन ने 27 फरवरी को मिग-21 बिसन से पाकिस्तान के एफ-16 विमानों का पीछा करने के बाद एक विमान मार गिराया था। बाद में उनका विमान एक मिसाइल का निशाना बन गया जिसके नष्ट होने से पहले ही वे विमान से निकल गए थे और उसके बाद पाकिस्तानी क्षेत्र में फंस गए थे।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अभिनंदन को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन लगभग 60 घंटों के बाद ही उन्हें वाघा सीमा पर भारत को वापस कर दिया था।

वीर चक्र भारत में युद्ध के समय दिया जाने वाला तीसरा सर्वोच्च सम्मान है।

गुलाम नबी आज़ाद और अहमद मीर को श्रीनगर एयरपोर्ट पर रोका

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से बढ़े तनाव को देखते हुए किसी को भी श्रीनगर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है. खबर है कि कांग्रेस सांसद और राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आज़ाद और जम्मू-कश्मीर के कांग्रेस प्रमुख गुलाम अहमद मीर को श्रीनगर हवाई अड्डे पर रोक दिया गया. दोनों को वापस भेज दिया गया. आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद से श्रीनगर में धारा-144 लगी हुई है. यहां तक कि घाटी में शांति बनाए रखने के लिए स्थानीय नेताओं को भी नजरबंद कर दिया गया है.

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला रविवार रात से ही नजरबंद हैं. उन्हें राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति के लिए खतरा बताते हुए सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया गया था. दोनों ही नेताओं को श्रीनगर के हरि निवास गेस्ट हाउस में रखा गया है.

बताया जाता है कि गुलाम नबी आजाद से सुबह जब पूछा गया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कश्मीर में आम लोगों से मिल रहे हैं तो आजाद ने कहा, पैसे देकर आप किसी को भी अपने साथ ले सकते हैं. आजाद ने कहा कि कश्मीर के लोगों पर कर्फ्यू लगाकर और स्थानीय नेताओं को नजरबंद कर कानून बनाया गया है. भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब कानून बनाने के लिए किसी सरकार ने ऐसा कदम उठाया हो.

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला के अब ऐहतियात के तौर पर पुलिस ने पूर्व मंत्री और डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी के अध्यक्ष चौधरी लाल सिंह को नजरबंद कर दिया है. लाल सिंह पहले जम्मू के नेता हैं, जिन्हें नजरबंद किया गया है. चौधरी लाल सिंह को जम्मू के गांधीनगर में उनके सरकारी आवास से निकलने की इजाजत नहीं है.

तनाव कम करने के लिए बातचीत करें भारत-पाक : ईरान

तेहरान। ईरान का कहना है कि वह जम्मू एवं कश्मीर को लेकर भारत सरकार के फैसले पर बारीकी से नजर बनाए हुए है और उसे उम्मीद है कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद क्षेत्रीय लोगों के हितों की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण तरीका अपनाएंगे और आपस में बातचीत करेंगे। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सैय्यद अब्बास मौसवी ने बुधवार को एक बयान में कहा, ईरान, जम्मू एवं कश्मीर को लेकर भारत सरकार के फैसले और क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रम पर भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारियों पर बारीकी से नजर बनाए हुए है।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने आगे कहा, ईरान को उम्मीद है कि उसके क्षेत्रीय मित्र और साथी - भारत और पाकिस्तान- क्षेत्रीय लोगों के हितों की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण तरीका अपनाएंगे और प्रभावी कदम उठाने के लिए बातचीत करेंगे। ईरान की यह प्रतिक्रिया भारत द्वारा जम्मू एवं कश्मीर का विशेष दर्जा हटाए जाने और लद्दाख को एक अलग भाग में बांटने के बाद आया है। पाकिस्तान ने भारत के इस फैसले के विरोध करते हुए इस्लामाबाद में भारतीय दूत को निष्कासित कर दिया है और दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को भी निलंबित कर दिया है।

सुषमा स्वराज के निधन पर इवांका ट्रंप ने जताया शोक, बताया चैंपियन

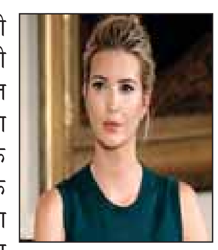

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप ने भारत की पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए, कहा कि वह भारत और पूरी दुनिया की महिलाओं के लिए चैंपियन थीं। राष्ट्रपति ट्रंप की वरिष्ठ सलाहकार इवांका ने बुधवार को ट्वीट कर कहा, पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के निधन के साथ ही भारत ने एक गर्मजोशी भरी व समर्पित नेता और लोकसेवक को खो दिया है।

इवांका ने आगे लिखा, सुषमा स्वराज भारत और दुनियाभर की महिलाओं के लिए चैंपियन थीं और उनसे परिचित होना सम्मान की बात है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपिओ ने भी मंगलवार को अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए ट्वीट किया था कि सुषमा स्वराज वह एक सशक्त साथी थीं जो हमारे इस विचार की समर्थक थीं कि दुनिया जितनी लोकतांत्रिक होगी, उतनी ही शांतिपूर्ण होगी।

उन्होंने ट्वीट किया, पूर्व विदेश मंत्री और मेरी दोस्त सुषमा स्वराज के निधन की खबर सुनकर काफी दुख हुआ। वह एक सशक्त साथी थीं जिनके हमारे ही समान विचार थे कि दुनिया जितनी लोकतांत्रिक होगी, उतनी ही शांतिपूर्ण होगी। उनके परिवार और भारत के लोगों के साथ हमारी संवेदनाएं हैं।

चांद पर जीवन की संभावना, इज़रायल के स्पेसक्राफ्ट से वैज्ञानिकों को मिले संकेत

इजरायल। चांद पर जीवन की तलाश को लेकर वैज्ञानिकों ने बड़ा खुलासा किया है। चांद पर कुछ ऐसे संकेत मिले हैं जिनसे वहां जीवन की उम्मीद बंध रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बहुत मुश्किल परिस्थितियों और तापमान में भी कई सप्ताह तक बिना भोजन के कुछ प्रजाति के जीव चांद पर जीवित रह सकते हैं। इस प्रजाति को टारटीग्रेड्स कहा जा सकता है। यह प्रजाति पृथ्वी पर ही पाई जाती है, लेकिन इनकी बड़ी संख्या में पिछले दिनों एक स्पेस मिशन में इन्हें ले जाया गया था।

भारत के चंद्रयान-2 लॉन्च करने से कुछ वक्त पहले इसी साल अप्रैल में इजरायल ने भी अपना स्पेसक्राफ्ट बेरेशीट चांद पर भेजा था। हालांकि, इजरायल का यह मिशन सफल नहीं रह सका और स्पेसक्राफ्ट लैंड करते वक्त क्रैश हो गया। यह इजरायल का पहला प्राइवेट फंड स्पेसक्राफ्ट था। इजरायल की एक नॉन प्रॉफिट कंपनी ने इस स्पेसक्राफ्ट को लॉन्च किया था। अमेरिका की एक कंपनी आर्क मिशन फाउंडेशन भी इस प्रोजेक्ट से जुड़ी थी। यह कंपनी धरती से इतर जीवन की संभावना तलाश करने का काम कर रही है। इस मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों का कहना है कि संभव है कि स्पेसक्राफ्ट के साथ गए टारटीग्रेड्स चांद पर अभी तक जीवित हैं।

इजरायल के स्पेसक्राफ्ट बेरेशीट

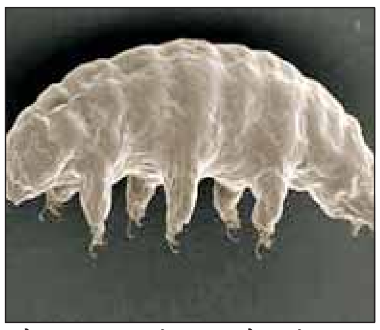

को जब चांद पर भेजा गया तो उसमें एक विशेष तरह के पैकेज का भी प्रयोग किया गया था। इस विशेष प्रबंध का नाम ल्यूनर लाइब्रेरी यानी चांद का पुस्तकालय नाम दिया गया। आर्क मिशन फाउंडेशन ने बेरेशीट पर इसे सवार किया था। संगठन का मुख्य उद्देश्य मानव इतिहास को चांद पर सुरक्षित करने का काम है। चांद के पुस्तकालय में मानव इतिहास से जुड़े कई उपकरण जैसे 3 करोड़ पन्नों में मानव इतिहास, इंसानों का डीएनए सैंपल और हजारों डिहाइड्रेटेड टारटीग्रेड्स थे।

मिशन के चेयरमैन नोवा स्पीवैक ने कहा, अभी तक के संकेतों से ऐसा लग रहा है कि यान के क्रैश होने के बावजूद भी टारटीग्रेड्स जिंदा बचे हुए हैं। चांद पर जीवन की संभावनाओं की खोज के लिहाज से यह बहुत महत्वपूर्ण घटना है। फिलहाल हम आगे के परिणामों की ओर देख रहे हैं।